



**1(अ))**

- (1) (1) (i) आँख, टाँग (ii) आत्मा, परमात्मा  
(2) लेखक की टाँग सही सलामत थी, दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे स्टैंड पर लटक रही थी।  
(3) (i) (1) प्राइवेट (2) एक्सीडेंट  
(ii) (1) अस्पताल (2) चेहरा  
(4) सार्वजनिक अस्पतालों में अक्सर भीड़भाड़, सीमित संसाधन और मरीजों की लंबी कतारें दिखाई देती हैं। चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण रोगियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, ये अस्पताल गरीब और जरूरतमंद लोगों को उपचार प्रदान करने का महत्वपूर्ण साधन हैं। यदि सरकार इन अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार करे, तो स्वास्थ्य सेवाएँ और अधिक प्रभावी बन सकती हैं।

**(आ))**

- (1) (1) (i) तुम बैठो, आराम करो  
(ii) **बाबूजी के रहते** - किसी बात का आभाव न था।  
**बाबूजी के न रहते** - लेखक को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और बैंक में नौकरी करनी पड़ी।  
(2) (i) उनके पास छोटी गाड़ी नहीं, बल्कि बड़ी आलीशान गाड़ी होनी चाहिए। (ii) गृहमंत्री।  
(3) (i) अभाव × प्रभाव  
(ii) (1) बैलगाड़ी - गाड़ी (2) सहाय - साहब  
(4) सादा जीवन, उच्च विचार एक महान जीवन मूल्य है। इसका अर्थ है कि हमें अपना जीवन सरल, विनम्र और सादगीपूर्ण रखना चाहिए, परंतु हमारे विचार हमेशा ऊँचे और आदर्श होने चाहिए। हमें दिखावे से दूर रहकर सच्चाई, ईमानदारी और दूसरों की भलाई के मार्ग पर चलना चाहिए। सादगी और श्रेष्ठ विचारों से हम समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण बन सकते हैं।

**(इ))**

- (1) (1) (1) मानवता (2) पशुता (3) सेवा-शुश्रूषा (4) सांत्वना  
(2) मानवता सच्चा धर्म है क्योंकि यह हमें दूसरों की सहायता करने, प्रेम, करुणा और दया का व्यवहार करने की प्रेरणा देती है। मानवता का अर्थ है बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की मदद करना, दुखी लोगों को सांत्वना देना और सबके साथ सद्भाव से रहना। यदि हर व्यक्ति मानवता के इस मार्ग पर चले, तो समाज में प्रेम, शांति और एकता बनी रहेगी। इसलिए, मानवता को ही सबसे श्रेष्ठ और सच्चा धर्म माना जाना चाहिए।

**2(अ))**

- (1) (1) (i) घन, (ii) दामिनि, (iii) धरती, (iv) संत  
(2) (i) (1) झुकना - नवाई (2) मटमैला - ढाबर  
(ii) (1) निअराएँ (2) समिति-समिति  
(3) यह पद्यांश हमें यह सिखाता है कि जैसे बादल का जल धरती पर गिरकर तालाबों और नदियों में एकत्र होता है, वैसे ही अच्छे गुण धीरे-धीरे सज्जनों में एकत्र होते हैं। जब नदियों का जल समुद्र में मिलकर स्थिर हो जाता है, उसी प्रकार जब जीव भगवान की शरण में जाता है, तो वह भी स्थिर और शांत हो जाता है। इस पद्यांश के माध्यम से यह संदेश मिलता है कि भगवान की भक्ति में लीन होकर मनुष्य सच्ची शांति और स्थिरता प्राप्त करता है।

**(आ))**

- (1) (1) चरित थे - पवित्र, भुजा में - शक्ति, नम्रता रही - सदा संपन्न, हृदय के गौरव में - गर्व  
(2) (i) (1) सके थके (2) - धूम धरा  
(ii) (1) दयालु - दया (2) प्राकृतिक - प्रकृति  
(3) यह पद्यांश यह संदेश देता है कि सच्ची विजय शस्त्रों या युद्ध से नहीं, बल्कि धर्म और करुणा के मार्ग से प्राप्त होती है। सम्राट ने भिक्षु बनकर दया और शांति का संदेश फैलाया। उन्होंने 'यवनों' को दया का उपहार दिया और 'चीन' को धर्म की दृष्टि प्रदान की। इस प्रकार, उन्होंने धर्म, दया और सदाचार के माध्यम से वास्तविक समृद्धि और विजय हासिल की।

**3(अ))**

(1) (1) देशप्रेम, नैतिकता, शिष्टाचार, ईमानदारी

(2) भ्रष्टाचार समाज के लिए एक गंभीर अभिशाप है, जो ईमानदारी, नैतिकता और न्याय की भावना को नष्ट करता है। यह देश के विकास में बाधा डालता है और अमीरी-गरीबी की खाई को और गहरा करता है। भ्रष्टाचार के कारण आम लोगों को अपने अधिकारों से वंचित होना पड़ता है। इसके समाप्त करने के लिए सख्त कानूनों का पालन, जनजागरूकता और नैतिक मूल्यों की शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।

**(आ))**

(1) (1) (i) महीना - **फाल्गुन**

त्योहार - **होली**

(ii) काँटों के बीच भी खेलता है, प्रेरणा देता है।

(2) कोशिश करने वालों की हार नहीं होती — यह पंक्ति हमें यह सिखाती है कि निरंतर प्रयास करने वाला व्यक्ति कभी पराजित नहीं होता। सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और लगन आवश्यक हैं। असफलता हमें नई सीख देती है और आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करती है। यदि हम धैर्य और समर्पण से कार्य करें, तो कोई भी कठिनाई हमारे मार्ग में बाधा नहीं बन सकती।

**4)****(1))**

(1) ताजी - गुणवाचक विशेषण

**(2))**

(1) सरिता के पास किताब है।

(2) कैलाश ने कटोरा निकला और विमला से पुछा।

**(3))**

(1)	<b>शब्द</b>	<b>संधि - विच्छेद</b>	<b>संधि भेद</b>
	दिग्गज	दिक् + गज	व्यंजन संधि
(2)	<b>शब्द</b>	<b>संधि - विच्छेद</b>	<b>संधि भेद</b>
	सदैव	सदा + एव	स्वर संधि

**(4))**

(1) गए - जाना

(2) सके - सकना

**(5))**

(1) प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया - तोड़ना / तुड़ाना

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया - तोड़वाना / तुड़वाना

(2) प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया - दिखाना

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया - दिखवाना

**(6))**

(1) टाँग अड़ाना - बाधा डालना

वाक्य - दूसरों के कामों में टाँग अड़ाना अच्छी बात नहीं है।

(2) मुँह लाल होना - क्रोधित होना।

वाक्य - अपने शिस्त का भांग होते देख शिक्षक का मुँह लाल हो गया।

(1) पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही **तिलमिला गए**।

**(7))**

(1) से - अपादान कारक

(2) कुछ अधिकरण कारक

**(8))**

(1) जल्दी-जल्दी पैर बढ़ा।

**(9))**

(1) मैं खिड़की से गरदन निकालकर झिड़की के स्वर में कहूँगा।

(2) वे बाजार से नई पुस्तक खरीद चुके थे।

(3) आराम हराम हो रहा है।

10(ii))

(1) संयुक्त वाक्य

(ii))

(1) मैं आज रात का खाना खाऊँगा।

(2) क्या, मानू इतना ही बोल सकी?

11)

(1) घर में तख्ते के रखे जाने की आवाज आती है।

(2) सामने शेर देखकर यात्री के प्राण मानो मुरझा गए।

(3) लक्ष्मी की एक झूबेदार पूँछ थी।

5)

(अ)(1))

(1) प्रेषक:

कल्पेश / कल्पना पाटेकर

99, शिवालय चौक,

इगतपुरी।

दिनांक: 10 नवम्बर 2025

प्रति,

प्रधानाचार्य महोदय,

स्व. भैरोमल तलवाणी विद्यालय,

नासिक।

विषय: जन्मतिथि में सुधार हेतु आवेदन।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरे विद्यालय प्रमाणपत्र एवं अभिलेखों में मेरी जन्मतिथि गलत अंकित की गई है। विद्यालय के दस्तावेजों में मेरी जन्मतिथि 4/08/2005 दर्ज है, जबकि मेरी सही जन्मतिथि 4/08/2001 है।

मैंने अपने जन्म प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज इस पत्र के साथ संलग्न किए हैं, जो मेरी सही जन्मतिथि को प्रमाणित करते हैं। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि कृपया विद्यालय के सभी अभिलेखों में मेरी जन्मतिथि को सही करवाने की कृपा करें, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आपकी कृपा के लिए सदा आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

सादर,

कल्पेश पाटेकर

कक्षा - 10 वी

(1) सोमेश चौगुले

म. फुले छात्रावास,

अहमदनगर।

प्रिय सोमेश,

सप्रेम नमस्कार। आशा है कि तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे। मैं भी यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। आज मैं तुम्हें एक महत्वपूर्ण विषय — मोबाइल के दुष्परिणामों के बारे में बताने के लिए यह पत्र लिख रही/रहा हूँ, क्योंकि यह तुम्हारे भविष्य से संबंधित है।

मुझे ज्ञात हुआ है कि तुम मोबाइल का अधिक उपयोग करने लगे हो, जो तुम्हारे स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है। मोबाइल के लगातार उपयोग से आँखों की रोशनी कमजोर होती है, ध्यान भटकता है और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। साथ ही, सोशल मीडिया और गेम्स की लत पढ़ाई में बाधा डालती है और मन को अस्थिर करती है।

आज के युग में मोबाइल जीवन का आवश्यक हिस्सा बन गया है, परंतु इसका अत्यधिक उपयोग हानिकारक सिद्ध होता है। गेम्स और वीडियो में समय व्यर्थ करने से मानसिक थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। इसलिए मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों

— जैसे पढ़ाई, जानकारी प्राप्त करने या घरवालों से संपर्क करने — तक ही सीमित रखना चाहिए।

अनावश्यक वीडियो देखने, देर रात तक मोबाइल चलाने और गेम्स खेलने से बचो। इसके बदले में खेलकूद में भाग लो, किताबें पढ़ो और अपना समय उपयोगी कार्यों में लगाओ। ऐसा करने से तुम्हारा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और पढ़ाई में भी सफलता मिलेगी।

मुझे विश्वास है कि तुम मेरी बातों को गंभीरता से लगे और मोबाइल का उपयोग संयम और समझदारी से करोगे। माँ-पापा को मेरा प्रणाम कहना और अपना ध्यान रखना। पत्र का उत्तर अवश्य देना।

तुम्हारी बहन,  
रोहिणी चौगुले  
42, विठ्ठल नगर,  
पंढरपूर।

2)

- (1) डॉ. गीता घोष ने भारतीय महिलाओं की प्रगति के इतिहास में क्या योगदान दिया?
- (2) छतरी से उतरने का प्रशिक्षण पूरा करने के लिए कितनी बार कूदना पड़ता है?
- (3) डॉ. गीता घोष ने सातों कूदें कैसे पूरी कीं?
- (4) प्रशिक्षण के दौरान डॉ. गीता घोष का कथन उनकी किस भावना को प्रकट करता है?
- (5) वायुयान से छतरी द्वारा छलांग लगाने वाली प्रथम महिला कौन थी?
- (6) छतरी से उतरने का प्रशिक्षण पूरा करने लिए हर छाताधारी को कितनी बार छतरी से उतरना पड़ता है?
- (7) प्रशिक्षण के दौरान डॉ. गीता ने क्या कथन किया था?
- (8) इस साहसी अभियान में उनकी कौन-सी शिक्षा काम आई?
- (9) छतरी से उतरने का प्रशिक्षण कितनी कूदों पर आधारित है?

(आ)(1)

(1)

### शिक्षक दिवस समारोह

दिनांक 5 सितम्बर 2025 को सरस्वती विद्यालय, कोल्हापुर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय को सुंदर फूलों और रंगोली से सजाया गया था। समारोह का आयोजन विद्यालय के सभागार में सुबह 8:30 बजे किया गया, जिसकी अध्यक्षता शैलेन्द्र कॉलेज के प्राचार्य श्री म. जे. राजपूत ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और पूजन से हुआ। विद्यालय के उपप्रधानाचार्य श्री शर्मा ने अध्यक्ष महोदय का शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। मंच पर डॉ. राधाकृष्णन के चित्र का पुष्पहार अर्पण किया गया।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में गीत, नृत्य, भाषण और 'गुरु-गौरव' नामक लघु नाटिका प्रस्तुत की। प्रधानाचार्य और अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में शिक्षक के महत्व और आदर्शों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह दिन सभी के लिए स्मरणीय और प्रेरणादायी रहा।

(1)

### बुद्धि से मिली सफलता

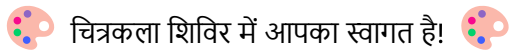
गाँव में एक किसान रहता था। उसके पास उपजाऊ भूमि के साथ थोड़ी बंजर भूमि भी थी। कुछ दिन पहले उसका एक बैल मर गया था, जिससे वह बंजर भूमि जोतने को लेकर चिंतित रहता था। एक रात जब किसान और उसकी पत्नी भोजन कर रहे थे, तभी उन्हें घर के पिछवाड़े कुछ आहट सुनाई दी। पहले तो किसान ने ध्यान नहीं दिया, पर दोबारा आवाज़ आने पर उसकी पत्नी ने समझ लिया कि चोर घर में घुसने की कोशिश कर रहे हैं।

किसान घबरा गया, लेकिन उसकी पत्नी ने बड़ी समझदारी से काम लिया। उसने जानबूझकर ऊँची आवाज़ में कहा, "गाँव में चोरी बहुत बढ़ गई है, इसलिए मैंने अपने सारे रुपए और गहने घर के पिछवाड़े बंजर ज़मीन में छिपा दिए हैं।" यह सुनकर चोर सीधे वहाँ गए और रातभर खुदाई करते रहे, पर उन्हें कुछ नहीं मिला। अगली सुबह किसान ने देखा कि उसकी बंजर ज़मीन खुद गई है और अब खेती योग्य बन गई है। वह अपनी पत्नी की होशियारी से बहुत खुश हुआ।

**सीख** – मुसीबत के समय घबराने के बजाय समझदारी से काम लेना चाहिए।

(2)

(1)



उद्घाटक: प्रसिद्ध चित्रकार श्री. मंगेश कुलकर्णी  
 समय / स्थान: रविवार, 15 दिसंबर 2025  
 समय – सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक  
 स्थान – स्व. भैरोमल तलवाणी विद्यालय, नासिक

विशेषताएँ: अनुभवी कलाकारों द्वारा मार्गदर्शन  
 वॉटर कलर, स्केचिंग, और पोस्टर मेकिंग  
 प्रशिक्षण श्रेष्ठ प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार  
 भाग लेने हेतु प्रमाणपत्र

संपर्क / पता: श्रीमती कल्पना पाटेकर,  
 मो.: 9876543210, ईमेल: chitrakalashivir@gmail.com

(इ))

(1)

### एक किसान की आत्मकथा

भारत गाँवों का देश है और मैं उन्हीं गाँवों में रहता हूँ। लोग मुझे अन्नदाता, किसान, भूमिपुत्र जैसे कई नामों से जानते हैं और मेरा सम्मान करते हैं। सारे देशवासी मेरे द्वारा उगाया गया अन्न ग्रहण करके ही अपना और अपने परिवार का पेट भरते हैं। हमारा पूरा जीवन धरती माँ की सेवा में गुजर जाता है। हमारा इतिहास बहुत पुराना है। सभ्यता के विकास से लेकर आज इक्कीसवीं सदी तक मैं अपने पुराने व्यवसाय से ही जुड़ा हुआ हूँ। मेरा नाम गोपाल है। रामपुर नाम के एक छोटे से गाँव में रहने वाला किसान।

मेरी जीवन कथा सीमित स्थानों और संसाधनों के बीच घूमती है, लेकिन इसकी महत्वपूर्णता कोई नहीं कम कर सकता। मेरे जीवन के सभी संघर्षों और सफलताओं के बावजूद, मैं एक संतुष्ट और गर्वमय किसान बना हूँ। मेरा जीवन बड़े परिवार में बिता, जहाँ खेती हमारे जीवन का मुख्य आधार थी। मेरे पिताजी और दादाजी ने मुझे खेती के महत्व को सिखाया और मेरे अंदर उत्प्रेरणा की भावना जगाई। मैंने अपनी शिक्षा गाँव के स्कूल में पूरी की, लेकिन शिक्षा के बाद भी मेरे दिल में सिर्फ खेती की ख्वाहिश ही थी। जब मैंने खेती का काम शुरू किया, तो मुझे पता चला कि यह काम आसान नहीं है। धूप, मिट्टी, और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन मैंने कोई समय नहीं खोया और जीवन की मुश्किल समयों में अपने आप को मजबूत बनाया। मेरी लगन और मेहनत ने मुझे सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने की सामर्थ्य दी।

मेरे जीवन में कई व्यापारिक और वित्तीय संकट आए, जब मैं नुकसान का सामना करना पड़ा। परंतु ये संकट मेरी हिम्मत नहीं हार सके। मैंने नए तकनीकों का इस्तेमाल किया, बाजार की ताकत को समझा और अपनी फसल की कीमतों को नियंत्रित किया। धीरे-धीरे मैं अपनी जमीन की खेती में विदेशी तकनीकों का प्रयोग करने लगा और अधिक उत्पादन की संभावनाएँ प्राप्त की। मेरे साथी किसानों के साथ मैंने सहयोग और ज्ञान साझा किया। हम साथ मिलकर नए फसलों की खेती की, सबसे अच्छे तारिकों को सीखा और अनुभव साझा किया। हम एक-दूसरे के सामर्थ्य को पहचानते और अपनी खेती में सुधार करने के लिए मिलकर काम करते रहे। इस सहयोग ने हमें वृद्धि की एक नई गति दी और हमारी आर्थिक स्थिति को सुधारा।

खेती मेरे लिए एक अद्वितीय अनुभव है। जब मैं अपनी मेहनत के फल को अपनी आँखों से देखता हूँ, तो उस खुशी की कोई सीमा नहीं होती। प्रकृति के साथ मेरी एकता, मिट्टी के संग मेरी जीवन की एकता है। यह मुझे स्वाभाविक सुंदरता और अधिक मूल्यवान जीवन का आनंद देता है। खेती में कार्य करके मुझे अपने देश के किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका का भी आदर्श बनाने का अवसर मिला है। मैं अपने गाँव के बच्चों को प्रेरित करता हूँ कि वे भी खेती में अपना भविष्य बनाएँ।

(2)

### चाँदनी रात की सैर

चाँदनी रात की सैर जीवन के सबसे सुखद अनुभवों में से एक होती है। जब रात का अंधेरा छा जाता है और आकाश में पूरा चाँद अपनी उजली किरणें बिखेरता है, तब चारों ओर एक अद्भुत शांति और सुंदरता फैल जाती है। ठंडी हवा, तारों की झिलमिलाहट और चाँद की कोमल रोशनी मन को सुकून देती है।

पिछले महीने मैं अपने परिवार के साथ गाँव गया था। वहाँ खुले आसमान के नीचे हमने चाँदनी रात में टहलने का आनंद लिया। खेतों में चमकती चाँदनी और पेड़ों की परछाइयाँ बहुत सुंदर लग रही थीं। उस शांत वातावरण में चलना, बात करना और चाँद को निहारना एक अनोखा अनुभव था।

चाँदनी रात हमें प्रकृति की सुंदरता का एहसास कराती है। यह मन को प्रसन्न करती है और सारी थकान दूर कर देती है। ऐसी रातें हमें यह सिखाती हैं कि सादगी और शांति में भी अपार सुंदरता छिपी होती है।

(3)

**भारत का चंद्रयान मिशन**

भारत का चंद्रयान मिशन-3 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय साबित हुआ। चंद्रयान-2 के लैंडर की असफलता के बाद यह मिशन भारत का आत्मविश्वास और वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक बना।

चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर एक लैंडर और रोवर को सुरक्षित रूप से उतारकर वहाँ की मिट्टी, खनिजों और वातावरण का अध्ययन करना था। इस मिशन के लैंडर का नाम "विक्रम" और रोवर का नाम "प्रज्ञान" रखा गया था।

भारत ने इस मिशन के माध्यम से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की, जहाँ अब तक कोई भी देश नहीं पहुँचा था। यह क्षेत्र वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि यहाँ पानी की संभावना बताई गई थी।

चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। इस मिशन ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत, बुद्धिमत्ता और दृढ़ निश्चय को दुनिया के सामने साबित किया। यह उपलब्धि न केवल भारत के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भविष्य की दिशा को और मजबूत करने वाला कदम भी है।

**All the Best**

TickMark.Ai